विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **बदल गया मेरा संसार**

भूलकर अपना सत्य स्वरूप दुख ही मैंने पाया
इन्द्रियों का मैं दास बना मालिक बन गई माया

विकारों के कीचड़ में धंसकर पाप करता गया
अवगुण अपनाकर अपने विवेक से मरता गया

खा गई माया मुझे विकारों के जाल में फंसाकर
अब कौन मुझे निकाले उसके जबड़े से बचाकर

रो रोकर मैंने अपना दुखड़ा हर एक को सुनाया
लेकिन इसका समाधान मुझे कोई बता ना पाया

परमधाम से अवतरित हुआ शिव पिता भगवान
उसने ही आकर बताई मुझे मेरी असली पहचान

दुःख पाने का सही कारण उसने ही मुझे बताया
राजयोग सिखाकर दैहिक अभिमान से छुड़ाया

राजयोग के द्वारा मेरा देहभान से किनारा हुआ
ईश्वरीय मत अपनाकर बाबा का मैं प्यारा हुआ

मुक्त हुआ हूँ दुखों से पाता जा रहा सुख अपार
बाबा की शिक्षाओं से ही बदल गया मेरा संसार

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->